तापमान
अधिकतम 29.0 डिग्री
न्यूनतम 14.0 डिग्री

हरिभूमि वनांचल भूमि

रायपुर, बुधवार 11 फरवरी 2026

[बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर]

12 मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत परिणय सूत्र में बंधे 305 जोड़े

12 हायर सेकेंडरी स्कूल कोंडागांव में कृषि छात्रों को मिल रहा आधुनिक प्रशिक्षण

खबर संक्षेप

जारी हुई कोरोना वॉरियर्स की सत्यापित सूची

जगदलपुर। कोरोना काल के संकट मोचकों को उनके समर्पण का समुचित अवसर देने की दिशा में राज्य सरकार ने एक निर्णायक कदम उठाया है। इस महत्वपूर्ण फैसले के तहत उन हजारों अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाण पत्रों की सत्यापित सूची सार्वजनिक कर दी गई है, जिन्होंने महामारी के कठिन दौर में छह माह से अधिक का समय अस्पतालों में निरंतर सेवा देते हुए व्यतीत किया था। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा जारी इस ताजा अपडेट के बाद अब भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ अपने अगले चरण में प्रवेश कर चुकी है। विभागीय जानकारी के अनुसार संभाग स्तरीय समितियों द्वारा 30 जनवरी से 8 फरवरी के बीच किए गए गहन भौतिक सत्यापन के परिणामों को आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है।

गंभीर पेट संक्रमण से जूझ रही महिला को मिला नया जीवन

बीजापुर। जिला चिकित्सालय बीजापुर में चिकित्सकों की तत्परता और विशेषज्ञ उपचार से एक 35 वर्षीय महिला की जान बचाई गई। 31 जनवरी को बीजापुर निवासी पार्वती को पेट में तीव्र दर्द की शिकायत के साथ जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। भर्ती के तुरंत बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा त्वरित परीक्षण एवं आवश्यक जांच की गई। एक्स-रे जांच में पेट में छेद होने की पुष्टि हुई, जिसे चिकित्सकीय भाषा में परफोरेशन पेरिटोनाइटिस कहा जाता है। यह एक अत्यंत गंभीर और आपातकालीन स्थिति होती है, जिसमें आमाशय की दीवार में छेद होने से संक्रमण पेट की गुहा में फैल सकता है और मरीज की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। मरीज की नाजुक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने बिना विलंब आपातकालीन शल्यक्रिया का निर्णय लिया। ऑपरेशन थियेटर में डॉ. नरोत्तम एनेस्थेटिस्ट द्वारा सुरक्षित एनेस्थीसिया दिया गया। इसके पश्चात डॉ. विजयलक्ष्मी कोसमा एवं डॉ. रवि मढ़रिया के नेतृत्व में अनुभवी सर्जिकल टीम ने शल्यक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

16 एवं 17 फरवरी को लगेगा रोजगार मेला

बीजापुर। युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 16 एवं 17 फरवरी को लाइवलीहुड कॉलेज आड़ावाल जगदलपुर में संभाग स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में जिला बीजापुर के अंतर्गत संचालित शासकीय आईटीआई बीजापुर, भोपालपटनम, उसूर एवं भैरमगढ़ की संस्थाओं से उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी भाग ले सकेंगे। जिन प्रशिक्षणार्थियों ने रोजगार मेले हेतु पूर्व में पंजीयन कराया है, वे अपने समस्त आवश्यक दस्तावेजों के साथ मेले में उपस्थित होकर सहभागिता कर सकते हैं।

शहर के सिटी ग्राउंड में गूंजी शहनाई, 280 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

माताएं हाथों में कलश और दीप लेकर परंपरानुसार चलीं, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

सिटी ग्राउंड में 10 फरवरी को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 280 जोड़ों ने एक ही मंडप के नीचे अपने नव-दाम्पत्य जीवन की शुरुआत की। जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस समारोह ने उस वक्त और भी गौरव हासिल कर लिया, जब पूरे प्रदेश में एक साथ 6,412 जोड़ों का विवाह संपन्न कराकर छत्तीसगढ़ का नाम गोल्डन बुक ऑफ वल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इसी कड़ी में जगदलपुर का यह आयोजन अपनी पारंपरिक भव्यता और सांस्कृतिक छटा के कारण आकर्षण का केंद्र रहा।

समारोह का आगाज एक भव्य बारात के साथ हुआ, जिसमें 280 वरों के साथ उनकी माताएं हाथों में कलश और दीप लेकर परंपरा अनुसार चल रही थीं। बस्तर की पारंपरिक बाजा मोहरी की सुमधुर स्वर लहरियों के बीच निकली इस बारात ने पूरे शहर को उल्लास से भर दिया। विवाह मंडप में हरिद्रालेपन, सप्तपदी और जयमाला जैसी रस्में पूरी श्रद्धा के साथ संपन्न हुईं और हवन से उठने वाले सुगंधित द्रव्यों ने समूचे वातावरण को महका दिया। नव-वधुओं ने वरों के साथ एकसूत्र में बंधकर नए जीवन का संकल्प लिया, जिससे सिटी ग्राउंड का माहौल अत्यंत भावुक और उत्साहजनक हो गया।

इनकी रही मौजूदगी : कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि और विशिष्ट अतिथि इस पुनीत कार्य के साक्षी बने, जिनमें महापौर संजय पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन, ▶▶ शेष पेज 12 पर

सीएम ने भी दिया आशीर्वाद

इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर नव विवाहित जोड़ों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में योजना की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना गरीब माता-पिता के लिए एक बहुत बड़ा सहारा है। उन्होंने पुरानी यादों को साझा करते हुए बताया कि पूर्व में निर्धन परिवारों को बेटियों के सम्मानजनक विवाह के लिए अपनी संपत्ति तक गिरवी रखनी पड़ती थी, लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन ने 2005 में इस जिम्मेदारी को उठाया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि वर्ष 2005 में मात्र 5 हजार रुपये की सहायता राशि से शुरू हुई यह योजना आज 50 हजार रुपए तक पहुँच चुकी है, जो गरीब परिवारों के सशक्तिकरण का प्रतीक है।

1910 के विद्रोह की 116वीं वर्षगांठ पर शहर में विशाल रैली

भूमकाल स्मृति दिवस पर जल- जंगल जमीन की रक्षा का लिया गया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

1910 के ऐतिहासिक भूमकाल विद्रोह की 116वीं वर्षगांठ के अवसर पर शहर में भूमकाल स्मृति दिवस पर भारी जनसहभागिता रही। शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में बस्तर के महान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया गया।

- स्वाभिमान और संघर्ष की चेतना हुई प्रबल

कार्यक्रम में बस्तर संभाग के आदिवासी, दलित, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समाजों के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, जनप्रतिनिधि, छात्र-युवा, बुद्धिजीवी और आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। पूरे आयोजन में बस्तर की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक अस्मिता और संघर्ष की चेतना दिखाई दी। विशाल जनरैली गुंडाधुर पार्क से प्रारंभ होकर भूमकाल चौक, गोल बाजार, झाड़ा सिरहा और कॉलेज चौक होते हुए शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर पहुंची। रैली में शामिल लोग हाथों में तख्तियां, बैनर और झंडे लिए हुए थे। जिन पर जल-जंगल-जमीन हमारी है, भूमकाल के शहीद अमर रहें, बस्तर बस्तरवासियों का है, जैसे नारे अंकित थे। पूरे मार्ग में नारेबाजी के साथ वातावरण स्वाभिमान, संघर्ष और एकजुटता की भावना से गूंजता रहा। रैली के दौरान लोगों ने 1910 के भूमकाल विद्रोह के नायकों को याद करते हुए उनके बलिदान को नमन किया और यह संदेश दिया कि बस्तर की धरती, संस्कृति और संसाधनों की रक्षा के लिए आज भी उसी साहस और एकता की आवश्यकता है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भूमकाल केवल अतीत की घटना नहीं, बल्कि आज के सामाजिक-राजनीतिक संघर्षों की प्रेरणा है। यह आंदोलन बताता है कि जब समाज संगठित होता है, तब सबसे बड़ी सत्ता भी उसे दबा नहीं सकती। आज के दौर में भी बस्तर के सभी समाजों को आपसी भेदभाव से ऊपर उठकर साझा संघर्ष की भावना को मजबूत करना होगा। आयोजन से जुड़े सभी संगठनों, ग्राम सभाओं, सामाजिक कार्यकतार्ओं और जनसमूह के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए कार्यक्रम को ऐतिहासिक और स्मरणीय बताया गया। इस दौरान संभागीय धुरवा समाज अध्यक्ष पप्पू राम नाग, मुख्य वक्ता लक्ष्मण यादव, पूर्व विधायक मनीष कुंजाम, प्रकाश ठाकुर, दिनेश यदु, तरुण धाकड़ सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आदिवासी नायकों को नहीं मिला उचित स्थान : मुख्य वक्ता लक्ष्मण यादव ने अपने संबोधन में भूमकाल आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, आदिवासी समाज के संघर्ष और वर्तमान परिस्थितियों पर विस्तार से प्रकाश ▶▶ शेष पेज 12 पर

शिक्षा को बताया सबसे बड़ा हथियार

युवाओं से शिक्षा को संघर्ष का सबसे सशक्त माध्यम मानने की अपील करते हुए कहा गया कि संविधान लोकतांत्रिक तरीके से अधिकारों की रक्षा का रास्ता देता है। शिक्षा के बिना गुलामी से मुक्ति संभव नहीं है और समाज को अंधविश्वास, पाखंड तथा भ्रामक प्रचार से दूर रहना होगा।

राज्यपाल के नाम सौंपा गया मांगपत्र

सर्व समाज की ओर से राज्यपाल के नाम कलेक्टर को मांगपत्र सौंपा गया। जिसमें अनुसूचित क्षेत्र बस्तर संभाग के मूलनिवासी समुदायों की ज्वलंत समस्याओं के समाधान की मांग की गई। मांगपत्र में 10 फरवरी को शासकीय अवकाश घोषित करने, गोल बाजार स्थित शहीद स्थल को संरक्षित कर भूमकाल म्यूजियम एवं भव्य स्मारक निर्माण, विशेष भर्ती नियम लागू करने, पेसा कानून और वनाधिकार अधिनियम के पूर्ण अनुपालन, भूमि संरक्षण, ओबीसी आरक्षण, भू-माफिया नियंत्रण अधिनियम तथा डिमरापाल सुपरस्पेशलिटी अस्पताल की सभी सेवाएं निःशुल्क करने जैसी मांगें शामिल रहीं।

खराब अग्निशमन यंत्र के साथ चल रहीं यात्री बसें परिवहन विभाग कर रहा जांच

जगदलपुर। यात्री बसों में सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी की जा रही है, जिसका सीधा असर यात्रियों की सुरक्षा पर पड़ रहा है। कई बसों में अग्निशमन यंत्र नहीं है, जिससे बसों में अग्नि सुरक्षा को लेकर कोई एकरूपता या सख्त निगरानी नहीं है। परिवहन विभाग के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एवं उड़नदस्ता टीम के साथ एसी स्लीपर और अन्य यात्री बसों में ड्राइवरों, कंडक्टरों और यात्रियों को दुर्घटना और आगजनी की स्थिति में सुरक्षित निकासी के लिए जानकारी दी है। यात्री बस में अग्नि सुरक्षा के लिए कार्यशील फायर डिटेक्टर और अग्निशमन यंत्रों का होना अनिवार्य है, ताकि आग लगने पर उसे तुरंत बुझाया जा सके। बस में ▶▶ शेष पेज 12 पर

- उड़नदस्ता ने दो दर्जन यात्री बसों की जांच की, 12 पर हुई कार्रवाई

बसों में अग्निशमन उपकरण जरूरी

संयुक्त कलेक्टर एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डीसी बंजारे ने बताया कि सरकार बसों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त हो गई है। अब सभी बसों को बस बॉडी कोड दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा, जिसमें आपातकालीन दरवाजे, अग्निशमन उपकरण और फायर डिटेक्शन सिस्टम शामिल हैं।

महफिल ए गजल में कलाकारों ने गजल सम्राट को किया याद

जगजीत सिंह की गजलों की कलाकारों ने दी प्रस्तुति, देर रात तक जमे रहे श्रोता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

गजल सम्राट जगजीत सिंह की जयंती पर राग द म्यूजिकल ग्रुप ने चंपा बाग में गजल गाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। सर्वप्रथम उनके फोटो पर दीप प्रज्वल एवं माल्यार्पण कलाकारों के द्वारा किया गया। जिसमें अतिथि कलाकार के रूप में गजल गायक देवशरण तिवारी ने अपनी प्रस्तुति दी। जिसमें उन्होंने जगजीत सिंह के एक से बढ़कर एक नगमे प्रस्तुत किये।

साथ ही प्रशांत दास, समीर जैन, शेरोन सिंह, प्रियंका वैध, बीजू विश्वास, मनीष श्रीवास्तव ने मुख्य रूप से अपनी मर्जी से, अगर वो कहे तो, तेरा चेहरा कितना सुहाना लगता है, होश वालों को खबर क्या, एक प्यार का नगमा है, यह क्या जगह है दोस्तों, सलोना सा साजन, मैं नशे में हूं, वक्त तो लगता है, किसी नजर को तेरा, चांदी जैसा रंग है तेरा, हमको दुश्मन की निगाहो, रफ्ता रफ्ता वो मेरे एवं देवशरण ने चिट्ठी ना कोई संदेश, तुम इतना जो, वह कागज की कश्ती, तुमको देखा तो, तेरे आने की जब, गजलों को गाकर कार्यक्रम को यादगार बनाया। संगीत प्रेमियों ने देर रात तक गजलों का आनंद उठाया। जिसमें महापौर संजय पांडे पार्षद, पत्रकार संघ के अध्यक्ष मनीष गुप्ता, संग्राम सिंह राणा, किशोर पारख, डॉ ज्योति लागू, हिमांशु शेखर झा, श्याम, कल्पना वर्मा, श्याम सोमानी, करमजीत कौर एवं अन्य श्रोतागण कार्यक्रम में उपस्थित थे। नीटू भदोरिया, सुरेश जैन, बीजू विश्वास, प्रशांत दास, ज्योति गर्ग, समीर जैन, प्रवीर पाल, यश थिमोची, बेनी निशांत एवं दर्शक काफी संख्या में उपस्थित थे। संचालन वंदना झा ने किया।

बैठक में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों पर किया गया फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

कलेक्टर संबित मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध पूर्णता एवं जनहितकारी परिणाम सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने नियद नेल्लानार क्षेत्रों में सैचुरेशन शिविरों के आयोजन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि ग्रामीणों को आधार कार्ड, राशन कार्ड आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज एक ही स्थान पर सरलता एवं त्वरित रूप से उपलब्ध कराए जाएं ताकि वे शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के प्राप्त कर सकें।

जगदलपुर स्टेशन में कोचिंग डिपो नई यात्री ट्रेनों के परिचालन के लिए मिल का पत्थर : डीआरएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

जगदलपुर स्टेशन में कोचिंग डिपो नई यात्री ट्रेनों के परिचालन के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। रेलवे मंत्रालय के लिए जगदलपुर स्टेशन में यात्री रेल सुविधा के विस्तार और विकास कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता में है। किरन्दुल-कोत्तवालसा रेल लाइन में दोहरीकरण कार्य अंतिम चरण में है, इस लाइन में लगभग 70 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। 3-4 अलग-अलग पेचो में कार्य पूरा होते ही विशाखापटनम से किरंदुल के बीच नई रेल गाड़यों को शुरू करने होगा मार्ग प्रशस्त होगा। यह बात विशाखापत्तनम रेल मंडल के डीआरएम ललित बोहरा ने कही। अपने एक दिवशीय बस्तर प्रवास पर मंगलवार को जगदलपुर पहुंचे डीआरम ललित बोहरा स्टेशन के वीआईपी लाउंज में कुछ पत्रकारों से चर्चा करते डीआरएम बोहरा विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया केके लाइन में लगभग 15 अमृत भारत नए स्टेशन बिल्डिंग का कार्य चल रहा है,जिसमे 5 नए भवन अंतिम चरण में है। जगदलपुर स्टेशन में अमृत भारत का काम लगभग 80 फीसदी से ज्यादा पूरा हो चुका है,अप्रैल तक नए स्टेशन भवन का लोकार्पण होने की उम्मीद है। साथ केके लाइन में 4 अन्य स्टेशन का काम भी शीघ्र पूरा होगा। बचे स्टेशनों का निर्माण इसी वर्ष कभी भी पूरा होने के संकेत है।

- दोहरीकरण कार्य अंतिम चरण में, नई रेल गाड़ियों को शुरू करने होगा मार्ग प्रशस्त

डीआरएम बोहरा के अनुसार किरन्दुल से कोत्तागुडेम तक नई रेल के लिए सर्वे कार्य अंतिम चरण में है। इसी तरह जूनागढ़ से जैपुर और जैपुर से मलकानगिरी रेल लाइन अलग-अलग पार्ट में काम चल रहा है। ड्राइंग सिंगनेचर हो गया अब टेंडर प्रक्रिया में आ गया है।

नया कोचिंग डिपो पर प्रस्ताव

डीआरएम ने बताया जगदलपुर में कोचिंग डिपो पूर्व में प्रस्तावित था,जो समय पर काम नही होने से रद्द हो गया। उन्होंने बताया नया कोचिंग डिपो के लिए दुबारा प्रस्ताव पर काम प्रारंभ होगा। कोचिंग डिपो निर्माण होने बस्तर में यात्री ट्रेनो के परिचालन संख्या में वृद्धि होगी। याने कोचिंग डिपो शुरू होने से यहां से ज्यादा यात्री ट्रेन चलने की संभावना बढ़ जाती है। बोहरा ने बताया रेलवे,नगरनार स्टील प्लांट और एनएमडीसी के मध्य बेहतर समन्वय से लौह अयस्क परिवहन में वृद्धि होगी।

रेस्क्यू से लेकर सीपीआर तक का प्रभावशाली प्रदर्शन, विभिन्न प्रक्रियाओं को बताया

महादेव तालाब में एनडीआरएफ की बाढ़ आपदा मॉक ड्रिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने तथा आमजन को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एनडीआरएफ टीम द्वारा महादेव तालाब में बाढ़ आपदा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में बाढ़ जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में बचाव दलों द्वारा की जाने वाली सभी गतिविधियों का जीवंत, व्यावहारिक और प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान एनडीआरएफ के प्रशिक्षित जवानों ने बाढ़ के पानी में फंसे लोगों को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू करने, उन्हें प्राथमिक उपचार देने तथा गंभीर स्थिति में घायलों को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रदान करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। साथ ही सामान्य एवं गहन चिकित्सा सहायता को त्वरित और सुगम रूप से उपलब्ध कराने की कार्यप्रणाली को भी दर्शाया गया।

अभ्यास में विभिन्न प्रकार के रेस्क्यू ऑपरेशन, जैसे पानी में खोज एवं बचाव, सुरक्षित निकासी तथा घायलों को चिकित्सकीय सुविधा तक पहुंचाने की तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। विशेष रूप से उस स्थिति को भी प्रदर्शित किया गया जब बचाव दल तत्काल उपलब्ध न हों तब स्थानीय संसाधनों की मदद से किस प्रकार स्वयं की एवं दूसरों की जान बचाई जा सकती है।

एनडीआरएफ टीम द्वारा पानी की बोतलें, प्लास्टिक डिब्बे, नारियल एवं अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं से तैरने योग्य बचाव सामग्री तैयार कर दिखाया गया जिससे आम नागरिकों को आपातकाल में आत्मनिर्भर बनने का संदेश मिला। यह मॉक ड्रिल न केवल आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रही, बल्कि आमजन में बाढ़ जैसी आपदाओं के दौरान सजगता, धैर्य एवं सही तकनीक अपनाने के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी सफल रही।

ये रहे उपस्थित

उक्त आयोजन एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट पवन जोशी के नेतृत्व में तथा नोडल अधिकारी मुकेश देवांगन एवं जिला सेनानी पी.बी सिदार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उप संचालक पंचायत हिमांशु साहू, सीएमओ नगरपालिका बंशीलाल नुरेटी, संबंधित विभागों के अधिकारीगण, गणमान्य नागरिक, मीडिया प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

मोबाइल शिविर में 55 श्रमिकों का हुआ पंजीयन

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप एवं कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार जिला कोण्डागांव में निर्माण श्रमिकों एवं असंगठित कर्मकारों के पंजीयन, नवीनीकरण तथा विभागीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखंड फरसगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत मैनपुर में मोबाइल पंजीयन एवं नवीनीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन कार्यालय श्रम पदाधिकारी, जिला कोण्डागांव द्वारा किया गया, जिसमें कुल 55 श्रमिकों का पंजीयन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रमिकों ने सहभागिता की। शिविर के दौरान श्रमिकों को श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने योजनाओं की पात्रता, लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में श्रमिकों को अवगत कराया। श्रमिकों को नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मिनीमाता महतारी जतन योजना, नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई।अधिकारियों ने श्रमिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में श्रम पंजीयन कराकर शासन की योजनाओं का लाभ लें, जिससे सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

12 वीं के विद्यार्थियों को समारोह में दी गई विदाई

कोण्डागांव। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मूलमुला में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा पूर्व विदाई समारोह का आयोजन गरिमामय एवं भावनात्मक वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को विद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य रमेश कुमार सोनपिपरे ने परीक्षा पर चर्चा विषय पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए बताया कि परीक्षा की तैयारी तनावमुक्त होकर, सकारात्मक सोच और नियमित अध्ययन के साथ कैसे की जाए। उनके मार्गदर्शन को विद्यार्थियों ने ध्यानपूर्वक सुना। विदाई समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए जिससे वातावरण भावुक हो गया। बच्चों की बातों से शिक्षकों को गर्व और संतोष की अनुभूति हुई। यह क्षण विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए स्मरणीय रहा। इसी दौरान जिला शिक्षा अधिकारी डीईओ प्रधान का विद्यालय आगमन हुआ। सभी विद्यार्थियों ने खड़े होकर उनका सम्मानपूर्वक स्वागत किया। उनके आगमन से कार्यक्रम और भी गरिमामय हो गया। जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय से विदा लेना भावुक भी है।

बस्तर पंडुम में कोंडागांव के कलाकारों ने वाद्य यंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति से मोहा सबका मन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोण्डागांव

जनजातीय संस्कृतियों और परंपराओं से सजे संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम का भव्य समापन आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बस्तर अंचल की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं का मनोहारी प्रदर्शन विभिन्न जिलों से आए कलाकारों द्वारा किया गया।

कोंडागांव जिले के केशकाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम कलेपाल के रजऊ मंडावी एवं उनके साथियों ने वाद्य यंत्रों के प्रदर्शन में उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। वहीं आंचलिक साहित्य प्रदर्शन में उत्तम नाईक ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कलाकारों को चेक एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वत्र एवं आंचलिक साहित्य प्रदर्शन में कोंडागांव जिला प्रथम

जनजातीय कला और संस्कृति के संरक्षण की सशक्त पहल

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित बस्तर पंडुम जनजातीय कला, संस्कृति, लोकनृत्य, गीत और संगीत के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह आयोजन न केवल विलुप्त होती लोककलाओं को संरक्षित कर रहा है, बल्कि युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम भी बन रहा है।

युवाओं में बढ़ रहा सांस्कृतिक गर्व

इस मंच के माध्यम से युवाओं में अपनी परंपराओं के प्रति गौरव और आत्मसम्मान की भावना विकसित हो रही है। अमूल्य सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने और उन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने की दिशा में यह आयोजन मील का पत्थर साबित हो रहा है।

19 पारंपरिक वाद्य यंत्रों से दी अद्भुत प्रस्तुति

बस्तर पंडुम के मंच पर रजऊ मंडावी एवं उनके साथियों ने मांदर, कोटोडका, मोहिर, निशान, ढोल सहित लगभग 19 पारंपरिक वाद्य यंत्रों से बस्तर की लोकसंगीत परंपरा की जीवंत और मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सामूहिक विवाह में जनप्रतिनिधियों ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत परिणय सूत्र में बंधे 305 जोड़े

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोण्डागांव

छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आज कोण्डागांव के विकास नगर मैदान में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 305 जोड़े पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह बंधन में बंधे और दाम्पत्य जीवन की नई शुरुआत की। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक लता उसेंडी, कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नरपति पटेल सहिजनप्रतिनिधियों ने सहभागिता कर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

■ योजना से गरीब परिवारों को मिली राहत : विधायक उसेंडी

विधायक लता उसेंडी ने नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिसमें से 35 हजार रुपये सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में जमा किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है और बेटियों के विवाह की चिंता को दूर कर रही है। विधायक उसेंडी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी नवविवाहित जोड़ों से एक-एक पौधा लगाने का आग्रह किया और उसे संरक्षित करने की अपील भी की।

कलेक्टर ने की सुखद भविष्य की कामना

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद, स्वस्थ एवं उज्ज्वल दाम्पत्य जीवन की कामना की। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने विवाह आयोजनों में फिजूलखर्ची से बचने और पारंपरिक तरीके से विवाह संपन्न कराने की अपील की।

विवाह प्रमाण पत्र व सहायता राशि का वितरण

कार्यक्रम के अंत में सभी नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा योजना अंतर्गत 35 हजार रुपये का चेक वितरित किया गया। सामूहिक विवाह कार्यक्रम पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हुआ, जिसमें परिजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस अवसर पर विधायक लता उसेंडी द्वारा उपस्थित नागरिकों को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेंद्र ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य भगवती नेताम, यशोदा कश्यप, मनोज जैन, जितेन्द्र सुराना, हिना श्रीवास्तव, समस्त पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला कार्यक्रम अधिकारी रेनू प्रकाश, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एसडीएम अजय उरांव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोण्डागांव

कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में जिले में संचालित शासकीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

■ शासकीय योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

बैठक के दौरान कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के लिए सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने ई-ऑफिस के माध्यम से कार्यालयीन कार्यों के त्वरित निराकरण एवं बायोमैट्रिक प्रणाली से ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज कराने प बल दिया। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजना से जोड़ने, प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करने तथा इंस्टॉलेशन कार्य में गति लाने के लिए विद्युत विभाग को निर्देशित किया। कलेक्टर ने संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत सभी इंडिकेटर्स की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित तिथियों के अनुसार गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, जल जीवन मिशन सहित अन्य शासकीय योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

कौशल विकास से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के निर्देश

उन्होंने जिले में युवाओं को कौशल विकास योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार से जोड़ने एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य एवं केंद्र शासन की योजनाओं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने शासकीय पीडीएस दुकानों में राशन की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा धान उठाव की स्थिति की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

188वीं वाहिनी केरिपु बल ने पेदारास में चलाया सिविक एक्शन प्रोग्राम

कोण्डागांव। भारत सरकार, गृह मंत्रलय के निर्देशानुसार नक्सल प्रभावित क्षेत्रें में जनसहयोग एवं विश्वास निर्माण के उद्देश्य से 188वीं वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के.रि.पु.बल द्वारा ग्राम पेदारास में सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अरूल कुमार भा.पु.से, पुलिस उप महानिरीक्षक रेंज जगदलपुर, भवेष कुमार चौधरी, कमांडेंट 188वीं वाहिनी, कमल सिंह मीणा, एस.के. दिनेश सहायक कमांडेंट एवं के.के. चंद्रा सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में ई/188 समवाय के के.रि.पु.बल जवानों द्वारा संपन्न कराया गया।

■ नक्सल प्रभावित क्षेत्र में जरूरतमंदों को मिली राहत सामग्री

कार्यक्रम के दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग एवं लेखन सामग्री, महिलाओं एवं ग्रामीणों को साड़ी, एलईडी बल्ब सहित अन्य जीवनोपयोगी सामग्री वितरित की गई। वहीं युवाओं को खेलकूद सामग्री जैसे क्रिकेट किट, कैरम बोर्ड, वॉलीबॉल, वॉलीबॉल नेट एवं फुटबॉल प्रदान की गई। यह सामग्री समवाय के क्षेत्रधिकार अंतर्गत पेदारास, टंगारास,

बोदारास, जंगमपाल, पुसगुन्ना, कुन्दनपाल एवं डोलेरास पंचायतों में वितरित की गई।

सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी : इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक अरूल कुमार ने ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं एवं छात्र-छात्रओं को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि के.रि.पु.बल के जवान जनता की सुरक्षा एवं सहायता के लिए सदैव तत्पर हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार, ग्रामीणों एवं सुरक्षाबलों के बीच परस्पर विश्वास एवं भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करना है। इस पहल से क्षेत्र में के.रि.पु.बल के प्रति विश्वास और मित्रता की भावना निरंतर बढ़ रही है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक के पश्चात आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रें से पहुंचे आम नागरिकों की मांगों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। जनदर्शन के दौरान कुल 27 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में ग्राम करर्रमेटा निवासी संजीव पोयाम ने नवीन स्कूल भवन की मांग को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। वहीं ग्राम कुधुर निवासी लोकनाथ कश्यप ने नलजल योजना के अंतर्गत बोरवेल खनन तथा आधार अपडेट के लिए शिविर आयोजन की मांग रखी। ग्राम बफना निवासी ने अपनी दिव्यांग पुत्री कुमारी नमिता देवांगन बोलने एवं सुनने में असमर्थ के लिए दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की। ग्राम तितरावंड के कपिल मरकाम ने मनरेगा अंतर्गत कच्ची सड़क निर्माण की मांग प्रस्तुत की। ग्राम पंचायत बंगोली कोहकापाल निवासी संपत नेताम ने नवीन नल खनन की मांग की। वहीं ग्राम मर्दापाल कुसमापारा की खेमेश्वरी यादव ने नल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवेदन दिया।

हायर सेकंडरी स्कूल कोंडागांव में कृषि छात्रों को मिल रहा आधुनिक प्रशिक्षण

कोण्डागांव। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोंडागांव में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के कृषि संकाय के विद्यार्थियों के लिए हर वर्ष विभिन्न ऋतुओं के अनुसार आधुनिक एवं जैविक कृषि गतिविधियों का नियमित संचालन किया जाता है। इस वार्षिक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्दियार्थियों को नवीन, वैज्ञानिक और व्यवहारिक कृषि तकनीकों का प्रत्यक्ष ज्ञान दिया जा रहा है।

■ जैविक व वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से संवर रहा विद्यार्थियों का भविष्य

विद्यालय में विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर प्रयोगात्मक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जाता है। प्रत्येक वर्ष मौसम के अनुरूप जैविक विधि से खेती, प्रयोगशाला में मशरूम उत्पादन, वैज्ञानिक पद्धति से पौधों की ग्राफ्टिंग, ड्रिप सिंचाई प्रणाली का प्रयोग, इनक्यूबेटर के माध्यम से चूजों का हैचिंग, सब्जी उत्पादन की उन्नत तकनीकों का व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया जाता है।

रंगीन फूलगोभी और उन्नत सब्जी उत्पादन : शीतकालीन मौसम में विद्यालय में फूलगोभी की पीली एवं बैंगनी रंगीन किस्मों का सफल उत्पादन किया गया है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को शिमला मिर्च की हरी, पीली एवं लाल किस्मों के उत्पादन, देखभाल और वैज्ञानिक प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। कृषि संकाय के छात्र ईश्वर नेताम, रोशन नेताम, सूर्यकांत, योगेश एवं अभिषेक सहित सभी विद्यार्थी इन प्रायोगिक कृषि गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, तकनीकी समझ और कृषि के प्रति रुचि विकसित हो रही है।

शिक्षकों का मार्गदर्शन बना सफलता की कुंजी : इस संपूर्ण कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्राचार्य एन. के. नायक, कृषि शिक्षक संजय ढाली, वरिष्ठ व्याख्याता शांति कौशल, आर. एस. मांझी, हरिशंकर नेताम सहित समस्त शिक्षकों का सक्रिय सहयोग रहता है।

आदिवासी महिलाओं के साथ रचा नवाचार का मॉडल

अपूर्वा को मिला सरोज सिंह मेमोरियल राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोण्डागांव

बस्तर की बेटी अपूर्वा त्रिपाठी ने एक बार फिर पूरे छत्तीसगढ़ और बस्तर का नाम राष्ट्रीय मंच पर रोशन किया है। बागवानी विज्ञान, जैविक खेती और आदिवासी महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें श्रीमती सरोज सिंह मेमोरियल राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान सोसाइटी फॉर हॉर्टिकल्चर रिसर्च एंड डेवलपमेंट, उत्तर प्रदेश द्वारा चतुर्थ भारतीय बागवानी शिखर सम्मेलन सह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में 28 से 30 जनवरी तक हुआ।

अपूर्वा त्रिपाठी को यह सम्मान बस्तर क्षेत्र में आदिवासी महिलाओं के साथ किए गए अभिनव और प्रभावशाली कार्यों के लिए दिया

गया। उन्होंने मां दंतेश्वरी हर्बल समूह के माध्यम से बस्तर की महिलाओं द्वारा उ हर्बल उत्पाद, मसाले, श्रीअन्न मिलेट्स को संगठित कर उन्हें निःशुल्क प्रसंस्करण प्रशिक्षण, उचित मूल्य और स्थायी बाजार उपलब्ध कराया। इन उत्पादों को उन्होंने "एमडी बोटैनिकल्स" के अंब्रेला ब्रांड के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के साथ देश-विदेश तक पहुँचाने का सफल मॉडल विकसित किया।

चार गुना उत्पादन वाली बस्तरिया काली मिर्च का राष्ट्रीय पंजीकरण : अपूर्वा त्रिपाठी की एक बड़ी उपलब्धि बस्तर में विकसित विशेष किस्म मां दंतेश्वरी काली मिर्च 16 का भारत सरकार की प्लांट वैरायटी रजिस्ट्रेशन एंड प्रोटेक्शन अथॉरिटी में पंजीकरण है। यह किस्म सामान्य काली मिर्च की तुलना में चार गुना अधिक उत्पादन और उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए जानी जाती है, जो बस्तर के नवाचार को राष्ट्रीय पहचान दिलाती है।

सम्मान बस्तर की आदिवासी महिलाओं को समर्पित

सम्मान प्राप्त करते हुए अपूर्वा त्रिपाठी ने कहा यह पुरस्कार मेरा नहीं, बल्कि बस्तर की उन आदिवासी महिलाओं का है, जिनके परिश्रम, विश्वास और आशीर्वाद से यह संभव हुआ। वास्तविक उद्यमिता वही है जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और आत्मनिर्भरता पहुँचाए। उन्होंने यह पुरस्कार बस्तर की आदिवासी महिलाओं को समर्पित किया।

संस्थाओं ने जताया हर्ष : इस उपलब्धि पर मां दंतेश्वरी हर्बल समूह, संपदा समाजसेवी संस्थान, साथी समाजसेवी संस्थान, विकास मित्र समाजसेवी संस्थान एवं जन-शिक्षण संस्थान कोंडागांव सहित अनेक संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे बस्तर, छत्तीसगढ़ और देश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि बस्तर की धरती से उठी जैविक क्रांति की राष्ट्रीय स्वीकृति है।

पेज 11 के शेष

शहर के सिटी ग्राउंड में...

जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी और जनपद पंचायत अध्यक्ष पदलाम नाग शामिल थे। इन सभी ने नव-दंपत्तियों को सुखमय दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर सुश्री नंदिनी साहू, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग मनोज सिन्हा सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों की सक्रिय मौजूदगी में यह विशाल आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भूमकाल स्मृति दिवस...

डाला। उन्होंने कहा कि 1910 का भूमकाल विद्रोह इस बात का प्रमाण है कि बस्तर के लोग शांत स्वभाव के होते हुए भी अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संगठित संघर्ष की क्षमता रखते हैं। बिरसा मुंडा, तेलंगा खड़िया, सिद्धो-कान्हू, गुंडाधुर, जयपाल सिंह मुंडा और झाड़ा सिरहा जैसे नायकों के योगदान को लंबे समय तक इतिहास के हाशिये पर रखा गया,जबकि आजादी की लड़ाई में उनकी भूमिका केंद्रीय रही है।

जल-जंगल-जमीन पर बढ़ते खतरे पर जताई चिंता : वक्ताओं ने कहा कि खनिज संपदा से समृद्ध होने के बावजूद बस्तर के मूल निवासी आज भी गरीबी, अशिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं। विकास के नाम पर हो रहे खनन और औद्योगिक गतिविधियों से स्थानीय समुदायों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा। ग्राम सभा की शक्तियों को कमजोर किए जाने, वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की कमी और शिक्षा-स्वास्थ्य के बढ़ते निजीकरण पर चिंता व्यक्त की गई।

उत्कृष्ट ग्रामसभाओं का किया गया सम्मान : कार्यक्रम के दौरान जल-जंगल-जमीन की रक्षा, सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों के प्रभावी क्रियान्वयन और जनभागीदारी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली ग्राम सभाओं को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बस्तर के भविष्य की दिशा तय करने में ग्राम सभा सबसे मजबूत आधार है।

विरासत को आगे बढ़ाने का आह्वान : पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने कहा कि 1910 का भूमकाल विद्रोह आज की पीढ़ी के लिए संघर्ष, स्वाभिमान और एकता का सबसे बड़ा संदेश है। 7 फरवरी 1910 की ऐतिहासिक दीवान बैठक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उस दिन यह तय हुआ था कि बस्तर में बाहरी हुकूमत नहीं, बल्कि मूल निवासियों की सत्ता होगी। आज भी उसी चेतना के साथ अपने हक और संसाधनों की रक्षा के लिए आगे आना ही भूमकाल संघर्ष की सच्ची विरासत है।

खराब अग्निशमन...

फायर डिटेक्टर लगे होने चाहिए जो आग लगने पर अलार्म बजाकर सभी को सचेत कर सकें। उड़नदस्ता प्रभारी एवं निरीक्षक पुष्पेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि रायपुर रोड, उड़ीसा रोड में जांच के दौरान एक दर्जन यात्री बसों पर कार्रवाई की।

बस्तर पंडुम में दंतेवाड़ा का डंका, 12 में से 3 विधाओं में प्रथम पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| दंतेवाड़ा

गत दिवस जगदलपुर में आयोजित संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम 2026 में दंतेवाड़ा जिले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 विधाओं में से 3 विधाओं में प्रथम पुरस्कार हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। इस अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विजेता कलाकारों और दलों को 50-50 हजार रुपये के चेक एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अनुसार जनजातीय नृत्य विधा में गौर माड़िया नृत्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर बुधराम सोढ़ी, जिला दंतेवाड़ा, एवं वहीं जनजातीय व्यंजन विधा में ताराबती जिला दंतेवाड़ा तथा, जनजातीय गीत विधा में ग्राम पालनार के गायन दल की मगली और उनकी साथियों को पहला स्थान मिला।

दंतेवाड़ा के कलाकारों ने जनजातीय गीत, नृत्य और व्यंजन जैसी विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में नृत्य, गीत, साहित्य, व्यंजन, पेय पदार्थ, औषधि, वेशभूषा-आभूषण, चित्रकला, वाद्ययंत्र एवं नाटक सहित कुल 12 विधाओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। ज्ञात हो कि द्वितीय पुरस्कार के रूप में 30-30 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 20-20 हजार रुपये के चेक के अलावा बस्तर पंडुम 2026 में भाग लेने वाले शेष 48 प्रतिभागी दलों को प्रोत्साहन स्वरूप 10-10 हजार रुपये के चेक देकर सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

देवांगन समाज के भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन

गीदम। नगर पंचायत गीदम के वार्ड क्रमांक 6 में देवांगन समाज के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन हुआ। गौरतलब है कि देवांगन समाज के सामुदायिक भवन के निर्माण की राशि 1566000 रूपए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साहू के द्वारा प्रदान की गई है। इसमें वार्ड पार्षद विनोद साहू का सहयोग रहा है। देवांगन समाज का सामुदायिक भवन बनने जा रहा है। इस भूमि पूजन कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष ओम देवांगन, नोहार देवांगन, योगेश्वरी देवांगन, उषा देवांगन, विनोद देवांगन, गोपाल देवांगन, अजय देवांगन, जीतू देवांगन, शशि देवांगन, सद्भावना देवांगन के साथ वार्ड के अन्य लोग उपस्थित रहे।

शैक्षणिक भ्रमण पर विद्यार्थियों को किया गया रवाना

लोहंडीगुड़ा। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल लोहंडीगुड़ा के विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु जिला नारायणपुर के लिए जनपद पंचायत लोहंडीगुड़ा के उपाध्यक्ष डॉ. बसंत कश्यप ने हरी झंडी दिखाकर विद्यार्थियों के वाहन को रवाना किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है, जिससे उनका बौद्धिक एवं मानसिक विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहकर भ्रमण का अधिकतम लाभ लेने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अशोक खापर्डे, शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

मानसिक स्वास्थ्य और नशा मुक्ति पर हुआ शिविर

दंतेवाड़ा। मानसिक स्वास्थ्य और नशा मुक्ति तथा जीवन कौशल पर व्याख्यान शासकीय अरविंद महाविद्यालय किरंदुल एनएसएस इकाई के द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में सहायक प्राध्यापक डॉ. दिनेश कुमार लहरी ने मनोवैज्ञानिक पहलू पर जोर देते हुए अपने व्याख्यान में छात्र-छात्राओं को जीवन कौशल और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने हेतु जोर देते हुए बताया कि सामाजिक जीवन में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना सर्वाधिक जरूरी है।

191 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे

सरकारी शादी में नक्सली युगल ने लिए 7 फेरे

हरिभूमि न्यूज ▸▸| दंतेवाड़ा

आज माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर स्थित मेंढक डोबरा मैदान में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मां दंतेश्वरी को साक्षी मानकर 48 कुंडों में विधिवत मंत्रोच्चार के साथ 191 जोड़े नव दांपत्य जीवन में बंधे। मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ऑनलाइन, वर्चुअल रूप से कार्यक्रम से जुड़े।

■ विधायक ने दी नव विवाहितों के सुखद दाम्पत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं

उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को नव जीवन के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके सुखमय, समृद्ध और खुशहाल दांपत्य जीवन की कामना की। समारोह में विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन के अधिकारी ने भी नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न कराए गए, जिससे आदिवासी संस्कृति, सामाजिक समरसता और सामूहिक सहभागिता की सुंदर झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य शासन ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना प्रारंभ करके नवदंपत्तियों के लिए अभिभावकों जैसी भूमिका निभाई है। उन्होंने नव विवाहित युगलों से एक अच्छी बहु और अच्छा पति बनने का आग्रह करते हुए कहा कि परिवार को एक रखते हुए वरिष्ठ सदस्यों का ख्याल रखें। साथ ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविन्द कुंजाम ने कहा कि आपकी खुशियों की इस घड़ी में शामिल होकर हमें गहरी खुशी हुई है। जीवन की हर महत्वपूर्ण घड़ी में राज्य शासन की योजनाएं आपका सहयोग करेंगी।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास अधिकारी वरुण नागेश ने बताया कि इस वर्ष मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत कुल 191 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। शासन की ओर से प्रति जोड़े 35 हजार रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से वर-वधु के खातों में अंतरित की गई। वहीं, प्रत्येक जोड़े के लिए 15 हजार रुपये की राशि आयोजन एवं साज-सज्जा पर व्यय की गई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता भास्कर, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि संतोष गुप्ता,जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। यहां कन्या विवाह दुबे आचार्य के पंडितों द्वारा कराया गया। उल्लेखनीय है कि आयोजित हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह में आत्मसमर्पित नक्सली युगल हिडमें और बामन ने भी सात फेरे लेकर समाज के मुख्यधारा से स्वयं को जोड़ा। इसके अलावा इस विवाह में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुमित्रा वेको और पोंदुम के सरपंच ने भी अपना विवाह रचाया।

मांई की कृपा आपके जीवन को सही दिशा देगाः अटामी

नव दंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि माँ दंतेश्वरी के पावन प्रांगण में आयोजित यह मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह हमारे समाज की एक सुंदर और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। आज यहाँ 191 नवदंपति नए जीवन की शुरुआत कर रहे हैं, यह हम सभी के लिए गर्व और खुशी का क्षण है। इस पवित्र स्थान पर विवाह होना स्वयं में सौभाग्य की बात है, क्योंकि मां दंतेश्वरी की कृपा और हमारे बुजुर्गों का आशीर्वाद आपके जीवन को सही दिशा देगा। उन्होंने आगे कहा कि जैसे आप सभी ने अब तक अपने मां-बाप की सेवा और सम्मान किया है, उसी तरह अब अपने सास-ससुर को भी अपने माता-पिता समान मानकर उनकी सेवा करनी है। इसके अलावा ही वर को भी चाहिए कि वह अपनी वधु का सम्मान पूर्वक पालन-पोषण करे, उसकी भावनाओं का आदर करे और जीवन के हर मोड़ पर उसका साथ निभाए। पति-पत्नी एक-दूसरे के पूरक हैं, आपसी प्रेम, विश्वास और सहयोग से ही दांपत्य जीवन सुखमय बनता है। इसके साथ ही उन्होंने सभी के दांपत्य जीवन सुख, शांति और समृद्धि से भरे जीवन की कामना की।

भूमकाल विद्रोह 1910 के नायकों को दी गई श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भोपालपटनम

बस्तर के महान भूमकाल विद्रोह 1910 के वीर नायकों की स्मृति में मूसालूर चौक धनोरा स्थित वीर शहीद गुण्डाधुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों, समाज प्रमुखों एवं ग्रामीण जनों ने वीर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उनके संघर्ष और त्याग को नमन किया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9.30 बजे पारंपरिक देव और माटी पुजारियों द्वारा सेवा अर्जी के साथ हुई। इसके पश्चात समाज प्रमुखों द्वारा शहीदों की स्मृति में वीर शहीद गुण्डाधुर की प्रतिमा पर महुआ फूल अर्पित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भूमकाल विद्रोह के वीर शहीदों की ऐतिहासिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने बस्तर के जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने तथा आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को कायम रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। समाज प्रमुखों ने कहा कि भूमकाल विद्रोह बस्तर के आदिवासी समाज के आत्मसम्मान और अधिकारों की रक्षा का प्रतीक रहा है, जिसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है। कार्यक्रम में श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से वीर शहीदों के आदर्शों को याद कर समाज में एकजुटता और जागरूकता का संदेश दिया गया।

दंतेवाड़ा के पहलवान सेलम में दिखाएंगे दम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गीदम

छत्तीसगढ़ राज्य कुश्ती संघ एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में धमतरी जिला कुश्ती संघ द्वारा धमतरी के इंडोर स्टेडियम में राज्य स्तरीय कुश्ती चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के कुल 13 जिलों के लगभग 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में दंतेवाड़ा, रायपुर, धमतरी, बिलासपुर, दुर्ग, कोरबा, कांकेर, कोंडागांव, रायगढ़, अंबिकापुर, राजनांदगांव, महासमुंद, जांजगीर-चांपा एवं मुंगेली जिलों के पहलवानों ने सहभागिता की। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दंतेवाड़ा जिले के एकलव्य खेल परिसर, जावंगा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। यह उपलब्धि जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा एकलव्य खेल परिसर जावंगा की संयुक्त मेहनत और मार्गदर्शन का परिणाम है।

गौरतलब है कि दंतेवाड़ा जिले के ये खिलाड़ी दूर-दराज़ एवं अंदरूनी ग्रामीण क्षेत्रों से आकर नियमित अभ्यास करते हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद इन बच्चों ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले को गौरवान्वित किया है।

विवाह में महिलाओं ने लगाए ठुमके

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बीजापुर

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में एक साथ 6414 जोड़ों के विवाह का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। इसी कड़ी में बीजापुर जिले में 305 जोड़े पारंपरिक एवं सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ परिणय सूत्र में बंधे। यह भव्य आयोजन मिनी स्टेडियम बीजापुर में गाजे-बाजे, आतिशबाजी और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हुआ, जहां जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी बाराती बनकर आयोजन में शामिल हुए।

बीजापुर जिले में संपन्न विवाहों में 155 जोड़ों का आदिवासी रीति-रिवाज तथा 133 जोड़ों का हिंदू रीति-रिवाज तथा शेष इसाई रीति-रिवाज से विधिवत संपन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान सामाजिक समरसता, भाईचारे और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

■ प्रदेशभर में 6414 जोड़े बने जीवनसाथी

कार्यक्रम को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन पूरे प्रदेश के लिए गर्व और खुशी का विषय है, जब एक साथ इतनी बड़ी संख्या में विवाह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। उन्होंने कहा कि पूर्व में गरीब और ग्रामीण परिवारों के लिए बेटी की शादी एक बड़ी आर्थिक चिंता हुआ करती थी, जिसके लिए कर्ज लेना या संपत्ति बेचनी पड़ती थी।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने आमजन की भावनाओं को समझते हुए मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना की शुरुआत की, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिली। उन्होंने कहा कि योजना की शुरुआत में जहां प्रति जोड़े 5 हजार रुपये की सहायता दी जाती थी, वहीं रजत जयंती वर्ष 2025 में यह बढ़कर 50 हजार रुपये हो चुकी है। कार्यक्रम के दौरान सभी नवदंपत्तियों को 25-25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया, ताकि वे अपने नए जीवन की शुरुआत आत्मसम्मान के साथ कर सकें। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पेरे पुलैय्या, नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जिला पंचायत सदस्य मैथ्यूज कुजूर, जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम, जनपद अध्यक्ष पूर्णिमा तेलम, कलेक्टर संबित मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कांता मशराम सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, मीडिया प्रतिनिधि, वर-वधु के परिजन एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यह सामूहिक विवाह आयोजन सामाजिक समरसता, सरकारी संवेदनशीलता और गरीब परिवारों के सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया।

दो वर्षों में अधिकांश वादों को धरातल पर उतार दिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने केवल दो वर्षों के कार्यकाल में मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को धरातल पर उतार दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों के बकाया बोनस का भुगतान, महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक विवाहित महिलाओं को मासिक सहायता, तेंदूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धि, रामलला दर्शन योजना, तीर्थ दर्शन योजना तथा भूमिहीन कृषि मजदूरों को आर्थिक सहायता जैसे अनेक जनहितकारी निर्णय लिए गए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का भी शुभारंभ किया, जिसकी शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रदेश के 8 जिलों से की गई है। इनमें बीजापुर जिला भी शामिल है।

जनजातीय अनुसंधान पार्क की स्थापना पर आईआईटी भिलाई व प्रशासन के बीच एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▸▸| दंतेवाड़ा

जनजातीय संस्कृति, परंपराओं एवं पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण व संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के निदेशक राजीव प्रकाश ने विगत दिवस जिला कार्यालय में कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव से सौजन्य भेंट की। इस दौरान दंतेवाड़ा में जनजातीय अनुसंधान पार्क की स्थापना हेतु दोनों पक्षों के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। प्रस्तावित जनजातीय अनुसंधान पार्क के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध जनजातीय विरासत, पारंपरिक ज्ञान, कला-कौशल एवं आजीविका के साधनों का संरक्षण, प्रलेखन एवं संस्थागत विकास किया जाएगा। यह पहल स्थानीय समुदायों को शोध, नवाचार और प्रशिक्षण से जोड़ते हुए सतत विकास की दिशा में सहायक सिद्ध होगी।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि यह एमओयू जिले के जनजातीय समाज की संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान और आजीविका को संरक्षित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इससे स्थानीय युवाओं को शोध, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा दंतेवाड़ा की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त होगी। अपने प्रवास के दौरान आईआईटी भिलाई के निदेशक ने कुम्हारराास माटी कला केंद्र, कुम्हारराास डैम पॉटरी ग्राम, गामावाड़ा स्थित मेमोरी पिलर तथा पावन मां दंतेश्वरी मंदिर का भी अवलोकन किया।

:: आम-सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छ.ग. गृह निर्माण मण्डल संभाग दंतेवाड़ा द्वारा सामान्य आवास योजनान्तर्गत गीदम में निर्मित भवन क्रमांक एल.आई.जी.-76 जो कि श्रीमती तुलेश्वरी साहू पति श्री पुनीत राम साहू को मण्डल द्वारा आबंटित किया गया है। उक्त भवन मे सयुक्त नाम श्रीमती नर्गिस अंसारी, पति डॉ. अतिक अहमद जोड़ने हेतु अवेदन प्राप्त हुआ है।

इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था को सयुक्त नाम जोडने के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित दिनांक पश्चात किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति प्राप्त होने पर मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल
प्रक्षेत्र-दन्तेवाड़ा

पुलिस हस्तक्षेप अयोग्य अपराध की सूचना
(धारा 174 बीएनएसएस)

क्र.:- 39/2026 दिनांक - 10.02.2026
थाना-कोतवाली कोण्डागांव, जिला-कोण्डागांव

01 अभियोगी- श्री संजीव दास पिता श्री बलराम दास उम्र 29 वर्ष निवासी शंकर विहार कोण्डागांव थाना जिला कोण्डागॉव (छ.ग.) मो.नं. 9131935338,

02 घटना का दिनांक स्थान तथा समयः- दिनांक 02.02.2026 को कोण्डागाँव में।

03 सूचना देने का दिनांक स्थान तथा समयः- 10.02.2026 के 12.20 बजे।

04 अभियुक्त का नाम पताः- निरंक।

05 सूचना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः- मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आवेदक श्री संजीव दास पिता श्री बलराम दास उम्र 29 वर्ष निवासी शंकर विहार कोण्डागांव थाना जिला कोण्डागॉव (छ.ग.) ने थाना उपस्थित आकर लिखित आवेदन पेश किया कि आवेदक के नाम के M/S Digitide Solutions Limited से जारी आई कार्ड नंबर 25076632070617 उपरोक्त दिनांक घटना समय सदर में कहीं गुम होना एवं काफी खोजबीन करने से भी नही मिलना बता रहा है। मामला पुलिस हस्तक्षेप अयोग्य होने से आवेदक को M/S Digitide Solutions Limited से जारी आई कार्ड नंबर 25076632070617 की द्वितीय प्रति प्राप्त करने सक्षम कार्यालय के शरण जाने समझाईश देकर फैना क्रमांक 39/2026 दिनांक 10.02.2026 दिया गया।

थाना प्रभारी
थाना -कोण्डागांव

शौर्य को मिला सम्मान

शहीदों के परिवार को भेंट किया स्मृति चिन्ह

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

करनपुर स्थित कोबरा कॉम्पलेक्स में वीर शहीदों को सलामी दी गई। वर्ष 2020 में बीजापुर के पामेड़ क्षेत्र के इरापल्ली जंगल में माओवादियों के साथ हुई भीषण मुठभेड़ में वीरता से लड़ते हुए 204 कोबरा बटालियन के तीन वीर हवलदार अजीत सिंह, सिपाही विकाश कुमार और सिपाही पूर्णानंद साहू शहीद हुए थे। देश की एकता, अखंडता और संविधान की रक्षा करते हुए इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने के प्रयासों में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों की याद में उनके छठे बलिदान दिवस पर श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया जिसमें 204 कोबरा के जवानों एवं अधिकारियों द्वारा पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजली दी गई। इस बलिदान दिवस पर वीर शहीदों के घर पर भी जाकर अधिकारियों एवं जवानों द्वारा उनके परिवारजनों को सम्मान दिया गया व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। 204 कोबरा कमाण्डेंट संतोष कुमार मल्ल ने बताया कि इन जैसे असंख्य वीरों की शहादत की वजह से ही यह संभव हो पाया है कि आज देश से माओवाद अपनी आखिरी साँस ले रहा है और बस्तर जैसे क्षेत्र शांति और विकास के मार्ग पर अग्रसर है। साथ ही साथ उन्होने यह भी बताया कि तीनों वीर शहीदों को गणतंत्र दिवस 2022 में उनके अदम्य साहस और वीरता के लिए राष्ट्रपति द्वारा मरणोपरांत शौर्य चक से सम्मानित किया गया है।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

विकलांग सर्टिफिकेट के सहारे नौकरी करने वाले कर्मचारियों की शिकायत

जगदलपुर। आरटीआई एक्टिविस्ट श्रीनिवास पाल ने लिखित शिकायत मुख्यमंत्री, सचिव स्वास्थ्य मंत्रालय, कमिश्नर तथा

कलेक्टर को 4 फरवरी को लिखित शिकायत की है। जिसमें फर्जी तरीके से विकलांग प्रमाण पत्र से नौकरी करने वाले को बर्खास्त करने जांच की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि 2 साल पहले नामजद शिकायत पर तत्कालीन कमिश्नर और कलेक्टर ने कार्यवाई के लिए स्वास्थ्य एवं अन्य विभाग के प्रमुख को निर्देशित किया था। लेकिन उच्च अधिकारियों के आदेश का पालन न करते हुए ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसमें स्वास्थ विभाग के एक लिपिक की भूमिका संदिग्ध है। बताया जा रहा है कि विकलांग सर्टिफिकेट बनाने में इस लिपिक की सांठगांठ से कई अपात्र लोग नौकरी कर रहे हैं। पाल ने एक सप्ताह पहले पुनः शिकायत कर जांच की मांग की। जिसमें अपात्रों के नाम का उल्लेख है।

वीबी जी राम जी योजना से गांव-गांव पहुंचेगा रोजगार

दंतेवाड़ा। शासन की महत्वाकांक्षी योजना विकसित भारत जी राम जी के अंतर्गत जिला के ग्राम पंचायतों में प्रतिमाह 7 तारीख को रोजगार दिवस, चावल उत्सव एवं आवास दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण जनों एवं जनप्रतिनिधियों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। पूर्व में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत 100 दिवस का रोजगार दिया जाता था, जिसे अब परिवर्तित कर विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत 125 दिवस का रोजगार सुनिश्चित किया गया है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि इस योजना का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक रोजगार पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को क्यूआर कोड आधारित प्रणाली की जानकारी दी गई। अब जॉब कार्ड एवं मस्टर रोल का मिलान क्यूआर कोड स्कैन कर किया जा रहा है, जिससे डेटा में हेराफेरी एवं भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सका है।

खालबाड़ा बीएसयूपी में लचर सफाई व्यवस्था ठेका निरस्त

रायपुर। नगर निगम जोन 9 क्षेत्र के महात्मा गांधी वार्ड अंतर्गत बीएसयूपी आवासीय परिसर खालबाड़ा में लचर सफाई व्यवस्था होने पर सफाई ठेकेदार मेसर्स आदित्य इंटरप्राइजेस का सफाई ठेका निरस्त कर दिया गया है। जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर ने निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से सफाई ठेका निरस्त कर दिया है। जोन 9 कमिश्नरी ने खालबाड़ा बीएसयूपी आवासीय परिसर की सफाई व्यवस्था में कोताही के कारण गत 18 जुलाई, 29 जुलाई, 2 सितंबर, 30 सितंबर 2025 को संबंधित सफाई ठेकेदार को नोटिस जारी किया। सफाई ठेकेदार का सफाई ठेका 16 जनवरी 2025 से 15 जनवरी 2026 तक की अवधि के बाद समाप्त होने के बाद नियम अनुसार सहमति पत्र पर 3 माह बढ़ाने का प्रस्ताव था।

फाइलेरिया गंभीर लेकिन रोकथाम योग्य बीमारी : गोयल

धर्माऊर में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

ग्राम पंचायत धर्माऊर में आज राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक दवा सेवन अभियान का शुभारंभ विधायक विनायक गोयल ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य फाइलेरिया जैसी गंभीर और दीर्घकालिक बीमारी को जड़ से समाप्त करना तथा ग्रामीणों को स्वस्थ जीवन प्रदान करना है।

इस अवसर पर विधायक ने तोकापाल विकासखंड के ग्राम परपा निवासी दिलीप टेकवानी एवं पुनाय ग्राम तेली मारेंगा के हितग्राहियों को स्वयं फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराकर अभियान की शुरूआत की तथा दवा किट का वितरण भी किया। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि सभी पात्र नागरिक इस अभियान में सहभागिता निभाएं और निर्धारित दवाओं का नियमित सेवन कर फाइलेरिया उन्मूलन में सहयोग करें।

विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर लेकिन पूर्णतः रोकथाम योग्य बीमारी है। यदि समय पर दवा का सेवन किया जाए तो इससे बचाव संभव है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान जनहित में अत्यंत आवश्यक है और इसकी सफलता जनसहयोग पर निर्भर करती है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के

अधिकारियों, कर्मचारियों, मितानिन दीदियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके समर्पण से ही यह अभियान धरातल पर सफल हो पा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि यह सामुदायिक दवा सेवन कार्यक्रम 10 फरवरी से 28 फरवरी तक संचालित किया जाएगा। इस अवधि में घर-घर जाकर फाइलेरिया रोधी दवाओं का वितरण एवं सेवन सुनिश्चित कराया जाएगा। अभियान के अंतर्गत पात्र आयु वर्ग के सभी नागरिकों को दवा खिलाई जाएगी, जिससे फाइलेरिया संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सके।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व सरपंच उर्मिला गोयल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत धर्माऊर स्वास्थ्य के प्रति सदैव सजग रही है और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाती रहेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी भ्रांति में न आएं और स्वास्थ्य कर्मियों का पूर्ण सहयोग करें।

इस अवसर पर सरपंच रामधर बघेल, संतोष तिवारी बाबुल नाग दीपक ठाकुर सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, मितानिन दीदी बहनें तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

जगदलपुर स्टेशन पर निर्माण की गुणवत्ता, गति और सुविधाओं का बारीकी से किया निरीक्षण

अमृत भारत स्टेशन में कार्यों को डीआरएम ने देखा, की पड़ताल

लापरवाही पर एजेंसी को हिदायत, तय समय में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

फोटो....... निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज : जगदलपुर

रेल जोन भुवनेश्वर से जोन महाप्रबंधक परमेश्वर फूंकवाल के प्रस्तावित बस्तर प्रवास से पूर्व विशाखापत्तनम रेल मंडल के डीआरएम ललित बोहरा सोमवार की रात लगभग 8 बजे स्पेशल सैलून से जगदलपुर पहुंचे। उनके साथ रेल मंडल मुख्यालय से आधा दर्जन से अधिक वरिष्ठ रेल अधिकारी भी पहुंचे। मंगलवार को डीआरएम ने सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जगदलपुर रेलवे स्टेशन में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन नए स्टेशन भवन और अन्य कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने स्टेशन परिसर में निर्माणाधीन वाशरूम, वाटरिंग सिस्टम, प्लेटफॉर्म सुधार कार्य, आरओबी सहित अन्य संरचनात्मक कार्यों की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने निर्माण एजेंसी को स्पष्ट शब्दों में चेताया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अमृत भारत स्टेशन के निर्धारित मानकों के अनुरूप स्टेशन को विश्व स्तरीय यात्री सुविधा और सुरक्षा से युक्त विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में स्टेशन पर एस्केलेटर, लिफ्ट, अत्याधुनिक यात्री प्रतीक्षालय, डारमेट्री तथा आधुनिक संरचनात्मक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

डीआरएम ने निरीक्षण के दौरान बताया कि स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिल सके। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि स्टेशन के बाहर व्यावसायिक क्षेत्र का विकास किया जाएगा। डीआरएम के अनुसार यदि कार्यों की प्रगति इसी गति से बनी रही तो अप्रैल के अंत तक नए स्टेशन भवन का लोकार्पण संभव है। निरीक्षण के दौरान डीआरएम के साथ सीनियर डीओएम तन्मय, सीनियर डीईई महाराणा, सीनियर डीएससी, सीनियर डीएसटी, सीनियर डीसीएम पवन कुमार, एसएमआर चंद्रा, एओएम, डीटीआई मीणा सहित अन्य अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

अमृत भारत स्टेशन से क्या-क्या बदलेगा

योजना के अंतर्गत जगदलपुर स्टेशन को आधुनिक परिवहन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। जहाँ यात्रियों के लिए एस्केलेटर और लिफ्ट की सुविधा, अत्याधुनिक प्रतीक्षालय, डारमेट्री, स्वच्छ वाशरूम, सुदृढ़ वाटरिंग सिस्टम, आरओबी तथा बेहतर प्लेटफॉर्म संरचना तैयार की जा रही है। स्टेशन परिसर के बाहर व्यावसायिक क्षेत्र विकसित कर यात्री सुविधाओं के साथ-साथ राजस्व बढ़ाने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि जगदलपुर स्टेशन क्षेत्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित हो सके।

बस्तर में फाइलेरिया मुक्ति का अभियान

कलेक्टर ने की जन आंदोलन का रूप देने की अपील

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिले को हाथीपांव (फाइलेरिया) जैसी शारीरिक रूप से अक्षम कर देने वाली बीमारी से स्थायी मुक्ति दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने एक व्यापक अभियान का शंखनाद कर दिया है। राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में तैयार की गई

एक सूक्ष्म कार्ययोजना के साथ आज से इस अभियान की शुरुआत हुई। आगामी 25 फरवरी तक चलने वाले इस सघन अभियान के तहत जिले के तीन प्रमुख विकासखंडों तोकापाल, बस्तर और बकावंड में सामूहिक दवा सेवन का कार्यक्रम युद्ध स्तर पर संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर ने इस मिशन को एक जन-आंदोलन का रूप देने की भावुक अपील की है, ताकि बस्तर का भविष्य इस दिव्यांगता से सुरक्षित रह सके।

इस अभियान की सफलता के लिए प्रशासनिक स्तर पर अभूतपूर्व समन्वय देखने को मिल रहा है, जहाँ स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ पंचायत, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास और नगरीय प्रशासन सहित कुल 13 विभाग एक साझा रणनीति पर कार्य कर रहे हैं। कार्ययोजना के अनुसार शुरुआती तीन दिनों में सभी शैक्षणिक संस्थानों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर विशेष बूथ लगाकर दवा खिलाई जा रही है। इसके पश्चात स्वास्थ्य दलों की सक्रियता और बढ़ेगी जब वे घर-घर जाकर अपनी प्रत्यक्ष निगरानी में प्रत्येक नागरिक को दवा का सेवन सुनिश्चित कराएंगे। ताकि प्रत्यक्ष निगरानी में दवा खिलाने से ही इस बीमारी की कड़ी को तोड़ा जा सकता है।

जन-जागरूकता के लिए इस बार धरातलीय और बेहद नवीन दृष्टिकोण अपनाया गया है। ग्रामीण अंचलों में नेतृत्व को सशक्त करते हुए सरपंचों को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे स्वयं दवा खाकर ग्रामीणों का मार्ग प्रशस्त करें, जबकि कोटवारों के माध्यम से गांव की गलियों में मुनादी कर इसके लाभों का प्रचार किया जा रहा है। विशेष रूप से शिक्षा विभाग के माध्यम से एक अनूठी पहल की गई है, जिसके तहत स्कूली छात्रों की कॉपियों पर जागरूकता संदेश अंकित कर अभिभावकों के हस्ताक्षर प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

दुर्घटना में घायल को अस्पताल में नहीं मिला सही उपचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बकावंड

विकासखंड बकावंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आपातकालीन मरीजों को समय पर जरूरी दवाएं नहीं मिल रही है। लोगों को बाहर के मेडिकल स्टोर्स

- स्वास्थ्य केंद्र में कहा जाता है बाहर मेडिकल स्टोर्स से लेकर आओ दवा

से दवाएं और इंजेक्शन खरीद कर लाना पड़ता है, तब कहीं जाकर मरीज को राहत मिल पाती है।

बकावंड ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम करपावंड के पास हुए सड़क हादसे में घायल होने के बाद कुछ लोगों को इलाज के लिए नजदीकी शासकीय अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वहां का नजारा देखकर साफ हो गया कि यह अस्पताल सिर्फ नाम का है, सुविधाओं के नाम पर शून्य है।

इमरजेंसी वार्ड में पहुंचने के बावजूद प्राथमिक उपचार तक उपलब्ध नहीं था। न टिटनेस इंजेक्शन, न दर्द की दवा, न कोई जरूरी मेडिसिन। अस्पताल स्टाफ ने बाहर मेडिकल दुकान से दवा खरीदकर लाने को कह दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए घायलों के परिजन ने अपने परिचित को फोन किया, जिसके बाद बकावंड बीएमओ द्वारा स्टाफ को निर्देश दिए गए। तब जाकर आनन-फानन में टिटनेस का इंजेक्शन बाहर से मंगाकर लगाया गया। यानि बिना फोन और दबाव के सही इलाज नहीं मिलता। इमरजेंसी वार्ड में जीवन बचाने की जिम्मेदारी होती है, वहां मरीजों को दवा के लिए भटकाया जा रहा है। इस लापरवाही की जिम्मेदारी कौन लेगा ऐसी लचर स्वास्थ्य व्यवस्था आम जनता के साथ खिलवाड़ है। मरीज के परिजनों ने कहा कि प्रशासन को मामले की जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। ताकि भविष्य में किसी भी मरीज को ऐसी लापरवाही का शिकार न होना पड़े। इस संबंध में बीएमओ मरकाम को कॉल करने पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

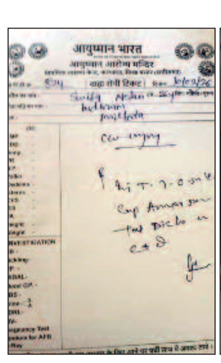

स्वास्थ्य केन्द्रों में पहुंची कायाकल्प योजना की गठित राज्य स्तरीय टीम

कायाकल्प योजना कार्यक्रम के बाह्य मूल्यांकन के लिए राज्य स्तरीय गठित टीम के सदस्यों के साथ महारानी अस्पताल जगदलपुर में बाहय मूल्यांकन कार्य संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं बस्तर संभाग की अध्यक्षता में की गई। इसमें स्वास्थ्य सेवाएं के

- बाह्य मूल्यांकन टीम व विशेषज्ञ ने केन्द्रों का किया निरीक्षण

संयुक्त संचालक डॉ. महेश सांडिया सहित सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. संजय प्रसाद, विशेषज्ञ चिकित्सक, चिकित्सा अधिकारी तथा पैरामेडिकल स्टाफ शामिल रहे। कार्यक्रम अंतर्गत दिए जाने वाले अच्छे स्वास्थ्य सेवाएं की सराहना एवं सुधार करवाना सुनिश्चित करवाया गया। बस्तर जिले के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नागपुर एवं सिविल अस्पताल भानपुरी का बाहय मूल्यांकन कार्य संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं बस्तर संभाग की अध्यक्षता में की गई। जिसमें विकास खंड चिकित्सा अधिकारी, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी तथा पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे। कायाकल्प कार्यक्रम अंतर्गत दिए जाने वाले अच्छे स्वास्थ्य सुविधा की सराहना एवं शेष बचे कार्यों में सुधार करवाने के निर्देश दिया गया। साथ ही सुकमा जिले के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छिंदगढ़ का राज्य स्तर से आई टीम के सदस्यों के साथ निरीक्षण किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कायाकल्प योजना के अंतर्गत कांकेर जिले के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चारामा का राज्य स्तरीय मूल्यांकन दल द्वारा बाह्य मूल्यांकन का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि सहकर्मी मूल्यांकन में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अस्पतालों का ही चयन इस अंतिम चरण हेतु किया गया है। इनके साथ खंड चिकित्सा अधिकारी चारामा एवं बीपीएम भी मूल्यांकन प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता दी।

सराहना व सुधार का दिए निर्देश

कायाकल्प योजना 2025-26 के बाह्य मूल्यांकन के लिए गठित टीम के राज्य स्तरीय विशेषज्ञों में संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं बस्तर संभाग (अध्यक्ष) डॉ. सांडिया, प्रोग्राम मैनेजर सीसी संतोष एवं यूनिसेफ स्टेट कंसलटेंट डॉ. श्रद्धा वर्मा विशेष रूप से पहुंच कर मूल्यांकन प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान अच्छे स्वास्थ्य सेवाएं की सराहना व सुधार का निर्देश दिए।

बस्तर की संस्कृति ने बटोरी देशभर की सराहना : कश्यप

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर पंडुम ने जनजातीय संस्कृति, लोककला, पारंपरिक रीति-रिवाज और जीवनशैली को राष्ट्रीय पहचान दिलाते हुए एक नया इतिहास रच दिया। यह आयोजन बस्तर ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बनकर उभरा। यह बातें सांसद महेश कश्यप ने कही।

उन्होंने महोत्सव के दौरान जनजातीय कला, शिल्प और लोकजीवन पर आधारित प्रदर्शनी ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। देश के विभिन्न राज्यों से आए सांस्कृतिक दलों की सहभागिता ने बस्तर की विविध परंपराओं को व्यापक मंच प्रदान किया। कलाकारों से हुए संवाद और उनके प्रदर्शन ने यह सिद्ध किया कि

बस्तर की संस्कृति आज भी जीवंत, सशक्त और आत्मनिर्भर है।

उन्होंने आयोजन से जुड़े कलाकारों, देशभर से आए सांस्कृतिक दलों, जिला प्रशासन, पुलिस, स्वयंसेवी संगठनों प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से बस्तर पंडुम ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बन सका।

पारंपरिक जीवन पद्धतियों पर शोधपरक चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन 10 फरवरी को हुआ। इस दौरान स्वदेशी ज्ञान परंपराओं, स्वास्थ्य विज्ञान, सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक जीवन पद्धतियों पर तथ्यात्मक और शोधपरक चर्चा की गई।

- राष्ट्रीय सेमिनार में आए विद्वानों ने रखे विचार

कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रांतों से आए कुलपति, प्राध्यापक और शोधकर्ताओं ने भारतीय ज्ञान प्रणाली के विविध आयामों पर अपने शोध पत्र और विचार प्रस्तुत किए। विद्वानों ने बताया कि आज जिन वैज्ञानिक सिद्धांतों और तकनीकों को आधुनिक माना जाता है, उनके मूल तत्व भारतीय समाज को प्राचीन काल से अनुभव और अभ्यास के माध्यम से ज्ञात रहे हैं।

सत्रों के दौरान आयुर्वेद को शरीर, मन और प्रकृति के बीच संतुलन का विज्ञान बताया गया।

बाल विकास, नृवंशविज्ञान चिकित्सा, पारंपरिक वैद्य परंपराओं, स्थानीय जैव विविधता, बस्तर की भौगोलिक विरासत, नैनोटेक्नोलॉजी में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका और औषधीय पौधों के महत्व पर विस्तार से विचार रखे गए।

शोध पत्र प्रस्तुतिकरण सत्र में भारतीय मानकों को पश्चिमी सत्यापन ढांचे के साथ जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया गया। पारंपरिक मत्स्य पालन पद्धतियों के वैज्ञानिक सत्यापन, बस्तर की सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय जन्म संस्कारों और महामारी के दौरान पारंपरिक औषधीय पौधों की उपयोगिता जैसे विषयों ने प्रतिभागियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने वाले प्रयासों को सम्मानित किया गया। साथ ही प्रदर्शनकारी कलाओं को भी भारतीय ज्ञान प्रणाली का अभिन्न अंग मानते हुए उनके संरक्षण और अध्ययन की आवश्यकता रेखांकित की गई।

सेमिनार के समापन अवसर पर भारतीय ज्ञान प्रणालियों के अनुसंधान, सत्यापन और व्यवस्थित प्रलेखन को मजबूत करने का साझा संकल्प लिया गया। इसके साथ ही शैक्षणिक सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से दो शासकीय संस्थानों के बीच शैक्षणिक समझौता मांगपत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि विज्ञान महाविद्यालय दुर्ग के प्राचार्य प्रो अजय सिंह रहे। अध्यक्षता डॉ जगजीत कौर सलूजा एवं सह-अध्यक्षता डॉ ऋचा ठाकुर ने की। समापन संबोधन शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तव ने दिया, जबकि आभार प्रदर्शन कल्पना मंडावी द्वारा किया गया।